



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN20423	ImageGroup:	I3CN20440
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	འབྲོག་ཁུལ་རྒྱ་རྩོར་སོགས་སུ་དར་བའི་ལག་བྲིས་གྲོང་ཚོག་ཕྱོགས་བསྟུས། 'brog khul rgya hor sogs su dar ba'i lag bris grong chog phyogs bsdus/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	16
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 19

6

༦༩ ། རྟོག་པ་ཤུགས་ལ་སེམས་ཀྱི་ཕྱི་ལ་འཁྱུགས་སོ། །

གཏིག

༄༅། | ཀྱུ་གར་སྐད་དུ་ནམ་མཁའ་
སའ་རྒྱ་ཐུག་རྒྱ་ཐུག་ལྟར་ལྟར་། བད་སྐད་
དེ་ལྟར་ལྟར་ཐམས་ཅད་ཐུག་ལྟར་ལྟར་

༡༣། མཛད་པའི་ཕུགས་པ་བཅུ་
 རྒྱུ་གསུམ་གྱི་སངས་རྒྱུས་དང་
 བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཐམས་ཅད་

[illegible]

723

༢༣། ། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཡོན་ཏན་རྟོག་གི་འོད་པ་མེ་རྒྱ་ལྷན་ལ་བེ་
 རྒྱ་ལྷན་འོད་ཟེར་རིན་པོ་ཆེ་འགྲུགས་ལྟ་བུར་སྒྱུ་དང་ལྷན་པ་ལ་ཕྱག་འཆིལ་
 ལ། ། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ལྷོས་མཆོག་དམ་པས་མཆོད་པར་སྒྱུ་ལྷན་པར་སྒྱུ་
 ཤིང་ལེགས་པར་ཀུན་པ་ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལ། ། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ག་ཏུ་ག་རྒྱ་
 གྱི་ག་ཏུ་ག་ལས་རྒྱ་ལྷན་འོད་ཟེར་དཔག་མེད་ལྷན་འོད་ལྷན་པ་ལ་གྱིས་བཀུར་པ་
 ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལ། ། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རབ་འཕྱུལ་བཀོད་པ་ཆེ་རུ་ཕོ་ཆེས་

ཀྱི་དབྱིངས་ལས་མཛེན་པར་འཕགས་པར་ཆགས་མེད་འོ་ཆེན་པོ་ཕུར་ཕུར་
 ལ་ཕྱག་འཆེལ་ལོ། །དེ་པའི་ནག་ཤེགས་པ་ལྷུ་སྟེར་གཞིན་ཏུ་ཅི་མའི་མཛེན་
 མེ་ལྷ་པའི་མེ་རྟག་རིན་ཆེན་ཕུང་གསེར་གྱི་གཏུགས་ནམ་མཁའ་པའི་རྩ་བའི་
 རྩ་དང་ཕྱན་པ་རྣམ་པར་སྒྲུབ་མཛད་ལ་ཕྱག་འཆེལ་ལོ། །དེ་པའི་ནག་
 ཤེགས་པ་ཕྱོགས་བརྒྱ་ནག་ལྷུགས་པའི་འོད་ཟེར་རབ་ཏུ་འགྱེད་ཅིང་འཛིན་
 རྟེན་གྱི་ཁམས་ལྷན་ཏུ་སྒྲུབ་པར་བྱེད་ལ་ལ་ཕྱག་འཆེལ་ལོ། །དེ་པའི་ནག་

123

གཤེགས་པ་ས་ས་ཀུས་ཀྱི་བཀོད་པ་ཐམས་ཅད་རབ་ཏུ་ཀུས་
པར་མཛད་པ་ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལོ། །དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ས་ས་ཀུས་ཀྱི་བཀོད་
པ་བསྐྱབས་པ་ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལོ། །དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དྲི་མེད་ཟླ་བའི་དྲོ་
གི་ཀྱལ་པོ་མེ་དྲོ་གི་བཀོད་པ་མཛད་པ་ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལོ། །དེ་བཞིན་
གཤེགས་པ་རིན་ཆེན་མཆོག་གི་དྲོ་གྲགས་ལྟན་ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལོ། །
དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འཛིགས་མེད་རྣམ་པར་གཟུགས་ལ་ཕྱག་འཆིལ་ལོ། །

དེ་ལ་ཞིན་པ་ཤིག་སྔ་པ་འཛིན་པ་དང་ལྷན་པ་ཞིང་ལག་ཚུ་བ་མི་མང་འཛིན་པ་ཤིག་
 ཞེས་མི་བྱེད་པ་ལ་ལྷན་པ་ཞིན་པ་ལྟར་ལོ། ། དེ་ལ་ཞིན་པ་ཤིག་སྔ་པ་འཛིན་པ་ཤིག་
 འཛིན་པ་ལ་ལྷན་པ་ཞིན་པ་ལྟར་ལོ། ། དེ་ལ་ཞིན་པ་ཤིག་སྔ་པ་འཛིན་པ་ཤིག་
 འཛིན་པ་ལ་ལྷན་པ་ཞིན་པ་ལྟར་ལོ། ། སངས་རྒྱལ་གྱི་མཆོག་འདི་དག་ནི་སྔ་པ་འཛིན་པ་
 གང་ལ་ལ་ཞིན་པ་ཤིག་སྔ་པ་འཛིན་པ་ལྟར་ལོ། ། དེ་ལ་ཞིན་པ་ཤིག་སྔ་པ་འཛིན་པ་ཤིག་
 ལ་ལྷན་པ་ཞིན་པ་ལྟར་ལོ། ། དེ་ལ་ཞིན་པ་ཤིག་སྔ་པ་འཛིན་པ་ཤིག་

۱۹۱

[illegible]

[illegible]

ॐ । प. च. पु. वा. र. क. च. य. । न. स. स. कु. स. त्रि. वि. द. कु. र. न. र. न. च
न. न. दे. व. वि. न. ग. मे. ग. स. प. म. र. न. प. र. म. त्रि. न. प. स. म. स. उ. द. त्रि. र. न. च. र. य.
पु. वा. र. क. च. य. । न. स. स. कु. स. त्रि. वि. द. म. च. द. गी. द. त्रि. य. र. र. च. म. र. न. च. र. य.
न. न. दे. व. वि. न. ग. मे. ग. स. प. र. न. म. र. वा. पु. वा. र. क. च. य. । न. स. स.
कु. स. त्रि. वि. द. प. द. म. र. द. प. च. न. दे. व. वि. न. ग. मे. ग. स. प. र. न. च. त्रि. वि. द. च. य.
पु. वा. र. क. च. य. । न. स. स. कु. स. त्रि. वि. द. म. च. पु. वा. र. क. च. य. र. न. च. य. ।

[illegible]

99

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सदा कुलसूयं परि कुलं

वेत्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सदा कुलसूयं परि कुलं

वेत्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सदा कुलसूयं परि कुलं

वेत्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं वदन्तुं

۱۲۸

1. 5. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥

सस कुसगद गुरि सुद गी प्रेम सुद प्रे प्रे व पुन
वकु रि प्र स द द म म पर दे स व य पुन र क थ यो । १११ म क व थ व
ग उ ग व ह द प स क क म ग य सु ग म द व रि प्रि ग प र ग गे । व क म म म र स द व वि व
द ग व क म य प द द ग व र ह ग स प रि स स कु स रि क क क द ह द प य
य व ह व वि क द य व प र य प्रि सु स र व द र ह म स य य पु न र क थ यो ।
१११ म क व थ व ग म ग व ह द प स कु य व रि य ग र क र ग म ग व द य र द म स

म
म
म

མཉམ་མཉམ། འཛོམ་ཕྱན་འདས་དེ་པའི་ནག་ཤེས་པ་དབྱ་འཛོམ་པ་ཡང་ནག་
པ་དེ་ནས་པའི་སངས་རྒྱས་གཟི་བརྟེན་དེས་པར་རྒྱལ་པར་གཞོན་པ་ལ་
ལྷ་ལ་འཛུགས་པོ། ། འཛོམ་མཉམ་པར་གཞིག་བརྟེན་པས་ཚེ་གཞིག་པ་འདྲ་ལོ།
ལྷ་ལ་འཛུགས་པོ། འཛོམ་ཕྱན་འདས་དེ་པའི་ནག་ཤེས་པ་དབྱ་འཛོམ་
པ་ཡང་ནག་པ་དེ་ནས་པའི་སངས་རྒྱས་འཛོམ་པར་གཞོན་པོ་དེ་ལྷ་ལ་འཛུགས་པོ།
ལྷ་ལ་འཛུགས་པོ། འཛོམ་ཕྱན་འདས་དེ་པའི་ནག་ཤེས་པ་དབྱ་འཛོམ་པ་
ཡང་ནག་པ་དེ་ནས་པའི་སངས་རྒྱས་འཛོམ་པར་གཞོན་པོ་དེ་ལྷ་ལ་འཛུགས་པོ། ། འཛོམ་མཉམ་

ཡུལ་ལོ་

༡༠། ། ལྷག་ཅིག་པའོ་ད་པས་དབྱུ་ལ་པ་མཁར་ཡོད་ཕྱི་དཔལ་པའི་དྲི་ག་པ་ལྷོ་
བཅོམ་ལྷན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དག་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་ལྷོ་གས
པའི་ས་སྤྱོད་ཀྱིས་རྒྱ་ཆེན་ག་ཅུ་ག་ཏེར་ཅན་པ་ལྷག་འཁོལ་པ། ། འཁོལ་ཁོ
ག་ཅིག་པའོ་ད་པས་ས་མས་ཅན་གར་གིས་ཐོས་པ་དེ་དག་སྤྱོད་ཕྱི་ཕྱི་ཞེས་ལྷག་པར་ལོ་
ལྷག་ལྷན་ལྷོ་ཆེན་པ་ཐོབ་པར་འཁོར་པོ། ། བཅོམ་ལྷན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེག
ས་དག་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་ལྷོ་གས་པའི་ས་སྤྱོད་ཀྱིས་རྒྱ་ཆེན་ག་ཅུ་ག་ཏེར་ཅན་པ་

ཚེགས་དང་བཅས་པ་རྣམས་ལ་ཕྱག་འཆེལ་ལོ། ། འདི་མཆོད་པ་ཞུ་བའི་གཙུག་ལྷན་གྱི་
 དཔལ་དམ་ཚིག་ཏུ་མས་ཆག་དང་གཡོ་ཁྱུ་བྱས་པ་པ་སོ་ཞས་པའི་ཕྱིག་པ་ཐམས་ཅད་ཅུང་པར་
 གསུམ་སོ། ། བཅོམ་ལྷན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དབྱ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་
 ཚེགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཚེ་ལྷུ་པ་འདི་ལྷན་པ་རྣམས་ལ་ཕྱག་འཆེལ་ལོ། ། འདི་
 སེངས་ཅན་ཐམས་ཅད་དུས་མ་ཡིན་པར་འཆི་བའི་འཇིགས་པ་ལས་བརྒལ་པར་འགྱུར་སོ། །
 བཅོམ་ལྷན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དབྱ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་ཚེགས་

འོ་མེ་མེད་པ། སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་རྟེན་པ་རྣམས་ཀྱི་དང་ཐུག་གཅོད་ཏུ་པ་བྱས་བྱས་
ཐུག་པ་དང་། ལོ་ལ་སྐུ་ཐོབ་པ་དང་། སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་རྟེན་པ་མེ་ཀོང་དང་མེ་ཀོང་དང་
མེ་ཀོང་ལོ་ལ་དཀེལ་བྱེད་ཀོང་ཀོང་ཐུག་པ་འདི་ཏུ་པ། ཐུགས་པས་གཏམ་པ་ལྟར་ཐུགས་ཀྱི་དང་
ལོ་ལ་ཐུག་པ། ལོ་ལ་ཐོས་པ་ལ་ཐུག་པ་ཐུག་པ་ལྟར་པ་འདི་ཏུ་པ། དཀེལ་བྱེད་པ་དམག་དཔོན་ཐུག་པ་འདི་ཏུ་པ།
ཀོང་ལ་ཐོབ་པ་ཀོང་དང་ཀོང་ལ་ཐོབ་པ་འདི་ཏུ་པ། ཐུགས་ཀྱི་དང་ཐུག་པ་འདི་ཏུ་པ། ཐུགས་ཀྱི་དང་
ལོ་ལ་ཐུག་པ། ཐུགས་ཀྱི་དང་ཐུག་པ་ཐུག་པ་ལྟར་པ་འདི་ཏུ་པ། ཐུགས་ཀྱི་དང་ཐུག་པ་ཐུག་པ་ལྟར་པ་འདི་ཏུ་པ།

[illegible]

621

[illegible]

卷之四

[illegible]

22

52

66 | 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839.

ॐ । सुगमसुगम देव देव ह्रीं सुगमो नमो नमो ह्रीं सुगमसुगम ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ । द ह र व र व म म । न क ण म ह द म ग द म म म ग द म म म
म म म । वि म म म म म । म म म म । म म म म । म म म म । म म म म ।
म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म ।
म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म ।
म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म ।
म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म ।
म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म । म म म म म म म म म म ।

म म म

ॐॐॐॐ । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐॐॐॐ । श्रीगणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

१५४२

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆེན་པོ་གསལ་བྱེད་པའི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། མཛེས་པ་འཛིན་པའི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །དེ་ཞིག་ལྟོས་
ཀྱི་ཕྱོད་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། མཛེས་པའི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །དེ་ཞིག་ལྟོས་
ཀྱི་ཕྱོད་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ།
པའི་ལོ་ལྷན་པའོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ།
ཀྱི་ཕྱོད་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ།
སྒྲུལ་ཡི་དམ་ཆོ། །ཡེ་ཤེས་བདུན་པའི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །དེ་ཞིག་ལྟོས་པའི་ཆོས་ཀྱི་ལོ་ལྷན་པའོ། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༡༡། ། ཁིན་གཅིག་ཁིན་གཅིག་ཁིན་གཅིག་གསུམ་ལ། ། རིམ་མཚན་ཐོད་ཞིབ་པ་མཛོད་ ། །
 ཁམས་འཛོམས་ལྷན་དུ་གསལ་ལ། ། རྒྱལ་ཕྱོགས་དག་པར་མཛོད་དུ་གསལ་ལ། ། རམ་ཆས་ཆུས་
 ལས་མཛོད་དུ་གསལ་ལ། ། རམ་བཅོད་ཞིབ་པ་མཛོད་དུ་གསལ་ལ། ། ཐམས་ལཱ་ཅད་མདོ་མེད་པར་
 མཛོད་ ། ། ཞེས་ལྟགས་གསུམ་པོ་ ། ། ལ་བུ་འཛོམས་སྟོད་བུ་མཐོང་བ་དང་། ། འགྲུ་གིས་འོ་བོ་
 འཛིན་དུ་བྱེད་པ་དང་། ། འཁོར་མཁས་ཁི་ཏོ་འཛིན་དུ་བྱེད་པ་པར་མཛོད་ ། ། མི་ཕྱིད་མི་ཞིག་ཀུན་གྱི་
 དོས་གྲུབ་ཕྱོད་ ། ། དེས་ལྟགས་ལྷན་པོ་ ། ། སྤྱུ་ཕྱོགས་སྟོད་པར་མཛོད་ ། ། སྟོད་པ་ཏི་དང་ལས་ཕྱོགས་

[illegible]

[illegible]

सुखी

७७। [सदगणस्यपत्नी] येनमयिदमदगणस्यकण्ठगतसुखा। [द्विपुत्रे]
 नयनस्यसुखमयम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी] नयनस्यसुखमयम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी]
 त्रिसप्तत्ययस्यसुखम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी] नयनस्यसुखमयम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी]
 पुत्रेकस्यस्यपत्नी ॥ नयनस्यसुखम् ॥ नयनस्यसुखम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी]
 पुत्रेकस्यस्यपत्नी ॥ नयनस्यसुखम् ॥ नयनस्यसुखम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी]
 नयनस्यसुखम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी] नयनस्यसुखम्। [पुत्रेकस्यस्यपत्नी]

[illegible]

འཕམ་པ་དང་ཀུན་ལ་ཆུ་ཡི་ཆུ་ ། བད་དང་ཕྱོད་པ་ཆུ་ ། འདོད་ཀྱི་འཕྱོད་པ་ཆུ་ཡི་ཆུ་ །

ཞེས་པའི་མཁའ་མཆོད་འཕྲུལ་པ་ལྟེ་སྤྱོད་པར་ཁྱོད། ། རྟེན་ཅུག་ལ་འཕགས་པ་སྤྱོད་པའི་འཕྲུལ་པ་ལྟེ་སྤྱོད་པར་ཁྱོད།

ལེལ་མཚན་ཐལ་མཚན་ཉི་ཤེད་ཀྱི་པར་ཀའོ་དུ་ན་ལེལ་ཐལ་ན། གན་མང་ཐུན་དུ་ཐོབ་པའི་ལན་ཡོན་གྱི་ཉི་ཤེད་ཀྱི་ཆེད་། འཇམ་པ་ཀྱི་ལེལ་པར་

[illegible]

ॐ नमः शिवाय

१६५१ शुद्धाक्षपरीक्षाराम

१०५३६४

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गुणवत्पुस्तकम्

694/25

७७ ।
पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

सुदृढः

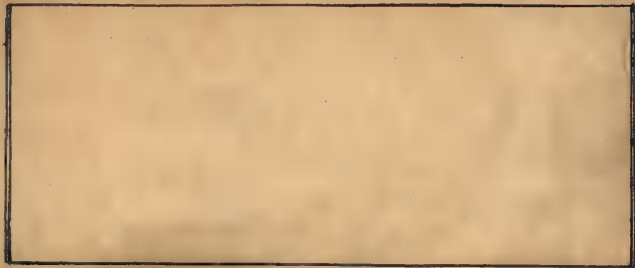


༡ ལ་མཁུང་མིང་བོད་ཆེན་པོའི་མཉམ་པ་ཆུན་ཅིང་འདུག་གཞན་ལ་མཁུང་དག་.....

ॐ नमः

पञ्चस्य

५७१



三

221

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

ਪੇਸਾਸ ਕੋਗਾਸ ਬਕਾਸ ਘਰ ਦੇਰੇ ਬੁਝਾ ਮੁਰਾ ਸੇਧਾ ਮਸਕ ਦੇਰੇ ਬਖਸ਼ਾ ਸੁਰਾਹੁ ਸੁਰਾਸ ਮਰ ਘਰੇਨਾ ਬਿਸੇ
 ਦੇਰੇ ਗਲੇਨਾ ਚੇਢੇ ਦੇਰੇ ਸਦਾਸ ਰਾਸ ਬੁਝਾ ਸੁਰਾਹੁ ਸੁਰਾਸ ਮਰ ਘਰੇਨਾ ਬਿਸੇ ਬਖਸ਼ਾ ਸੁਰਾਹੁ ਸੁਰਾਸ ਮਰ ਘਰੇਨਾ
 ਚਮਚੇਨਾ ਮਸਕ ਮਰੇ ਦੇਰੇ ਕਮਾਸ ਘਰੇ ਸਕੇਨਾ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸਭਾਸਾ ਸੁਰੇ ਸਕੇਨਾ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸਭਾਸਾ ਸੁਰੇ ਸਕੇਨਾ
 ਕਦਾਸ ਦੇਰੇ ਬਾਠਾ ਗਰੇ ਕੇਰੇਨਾ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸਭਾਸਾ ਸੁਰੇ ਸਕੇਨਾ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸਭਾਸਾ ਸੁਰੇ ਸਕੇਨਾ
 ਗਲੇਨਾ ਚੇਢੇ ਗਲੇਨਾ ਚੇਢੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ
 ਕੇਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ
 ਕੁਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ
 ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ ਸੁਰਾਸ ਮਰੇ

ཤོག་གྲངས་ 3 པ་ཆད།

missing page



[illegible]

[illegible]



63। ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा



[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः पाण्डव उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दण्डं धनुर्धराः पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ अथात्मनो ब्रह्मविद्यायां
 योगशास्त्रं श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ॥ १ ॥ अथात्मनो
 ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रं श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७। १ उवळंदवेदयप्येससु सुदवपस्यसु सससु ससस
 उवळारपादप्येससु सुदवपस्यसु सससु सससु सससु
 सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु
 सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु
 सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु
 सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु
 सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु सससु

विष्णुसहस्रनाम। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
१। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
२। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
३। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
४। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
५। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
६। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
७। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
८। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
९। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
१०। विष्णुसहस्रनामस्य प्रथमोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥
 द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥ द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥
 द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥ द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥
 द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥ द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥
 द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥ द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो द्रुपदपुत्रो ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]



卷之五

ॐ । त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्तव्यो बर्हद्देवता ।
 धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

[illegible]

[illegible]



1972

[illegible]

[illegible]

[illegible]



○

७०। १। रीगसप्तु पुं लोद न विद प स द न न व स पुं पुं द प म र पुं
पुं पुं द न न म म। स प न पुं पुं पुं स प स प स। स र्त्त व पुं न न स म
प स स र्त्त। स र्त्त प र स र्त्त स प म र प स स र्त्त। रीग स पुं पुं पुं
रीग स पुं पुं पुं र्त्त र्त्त र्त्त वि प स स र्त्त द न व स पुं पुं द प म र पुं
द र्त्त न स र्त्त पुं पुं व स र्त्त पुं पुं पुं पुं पुं पुं पुं पुं पुं पुं पुं
पुं पुं पुं पुं। र्त्त स स र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त स प स स र्त्त द न व स पुं पुं द प

[illegible]

ཆོས་རྒྱལ་ཞེས་བྱ་བ་ནི། རུས་ཀྱིས་བྱི་ཆོས་དེ་གཞི་དཔལ་རྒྱུ་ལྡན་
 བཤུགས་པ་ལ་གསུངས་པ་ནི་ལྷི་རྟའི། དེས་ན་རུས་ཀྱིས་བྱི་ཆོས་རྒྱལ་
 ཞེས་བྱ་བ་། རབ་ཏུ་རྒྱུ་ཡི་རྒྱལ་ལྡན་ལས། རྒྱུ་རྒྱུ་ལྡན་པ་ལྡན་
 རྒྱལ་ལྡན་གསུངས་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་
 ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་
 ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་
 ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་ལྡན་པ་

卷之六

[illegible]

[illegible]

卷之六

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
दः ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
कुर्वन्मया यत्किञ्चित्करिष्यामि ॥ २ ॥

[illegible]

७७। । गदप्रुरखिदेदेव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 मयकेसपदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 पदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 दुःखगम्यपदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 पदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 पदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 पदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद
 पदिके न देव भेद दुःखगम्यपदिके न देवपद

སྐད་ཅུ་ཞེ་ན། གང་དག་དགྲ་བཅོམ་པ་ཞེས་བཀྲི་བ་ལོ་ཚེས་དེ་གང་
 ཡང་མ་མཚེས་པའི་སྐད་ཅུ་ལྟར། བཅོམ་སྐྱོན་དང་མཉམ་པ་ཏེ་དབྱ་
 བཅོམ་པ་འདི་སྐྱེ་མ་ཅུ་བདག་གིས་དགྲ་བཅོམ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་སྐྱེ་
 རྒྱུ་མས་པ་དགྲ་དེ་མ་ཏེ་དེ་མ་ཏེ་བདག་ཏེ་ཐོབ་པ་དེ་མ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་
 སྐྱོན་ལོ་མས་མཉམ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་
 ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་ཐོབ་པ་ཏེ་



卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदायिने ॥
सर्वलोकहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदायिने ॥
सर्वलोकहितं कुरु सर्वदा ॥

2

[illegible]

卷之四

[illegible]



三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । देउरी सुद दुखेना पठेन भूक अरु सति दुय वर
 पण सप दे दुय म म के स प र द प ले न ग म ग स प स ग पु स
 प र सुद दुखे । दे स न स दे दुय ले स व सु री । १६१ दे व सु
 प ठ स प र पण स प दे प ठ स म म के स प र द प ले न ग म ग स
 प र स प र स प र सुद दुखे । दे स उ र दे व दे व सु प ठ स ले स
 प ठ री । प ठे न भूक अरु सति सु स प ग र सु प य । र न सु री र दे

[illegible]

༡༢༡ ། བཅོམ་ལྷན་པ་ལྟ་བུ་གི་ཡེ་ཤེས་སྒྲུབ་ཆུང་ཆུང་བཤག་
 གིས་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་ཁབ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་
 དེ་ཅི་ལྟར་བྱུང་བ་ལྟ་བུ་ བཅོམ་ལྷན་པ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་
 ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་
 ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་
 ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་ཡུལ་ལྟ་བུ་ལྟེན་ཆུང་ཆུང་

[illegible]

[illegible]

卷之六

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीपद्मे नमः ।
 श्रीनारायणे नमः ।
 श्रीरामाय नमः ।
 श्रीशिवाय नमः ।

दमाय केन पुत्रो ॥ एतत्तु पुत्रं देवर्षिर्नृणां प्रथमं ॥
 देवर्षिर्नृणां प्रथमं पुत्रं देवर्षिर्नृणां प्रथमं ॥
 देवर्षिर्नृणां प्रथमं पुत्रं देवर्षिर्नृणां प्रथमं ॥
 देवर्षिर्नृणां प्रथमं पुत्रं देवर्षिर्नृणां प्रथमं ॥
 देवर्षिर्नृणां प्रथमं पुत्रं देवर्षिर्नृणां प्रथमं ॥
 देवर्षिर्नृणां प्रथमं पुत्रं देवर्षिर्नृणां प्रथमं ॥

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2912

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]



249

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

रयः सुते रियस्ये पुनः व रियस्ये पुनः वरद दणः २६ सुते
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः २७ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः २८
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः २९ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३०
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३१ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३२
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३३ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३४
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३५ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३६
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३७ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३८
 वरद सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ३९ सुते रियस्ये पुनः वरद दणः ४०

२८

पत्रे दण पुद पदस्य अनेस्य पद पुस्य त्रि। अनेस्य पद अ पुस्य
दस्य पुणस्य पुद पद अ पुस्य त्रि। रप अने र स्य दस्य पुस्य पत्रे अने दस्य
अदस्य र दण दस्य अनेस्य पद पुस्य दस्य पुणस्य पुद पद अ पुस्य
पण द पत्रे अ प दस्य। पु अने पुस्य अ पत्रे अने अ पत्रे अ पत्रे अ पत्रे
अने अने अ प दस्य। अने अ प दस्य अने अ प दस्य अने अ प दस्य। अने अ प दस्य
अने अ प दस्य अने अ प दस्य अने अ प दस्य अने अ प दस्य। अने अ प दस्य

[illegible]

५५३

[illegible]

[illegible]

卷之七

[illegible]

प्रत्यक्षं च दृश्यं च तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम्
अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम्
अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम्
अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम्
अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम्
अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम् अथ तत्त्वम्

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ।
 तदा द्रुपद उवाच ॥ सौमेतन्मया श्रित्वा
 हृदि मे निधाय विप्रस्य सुतम् ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

95

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

1

五

[illegible]

ॐ ह्रीं क्लृप्ता दुस्ते मत्ता देव विरक्त यजेता सा दा भवेत् सा यजेता सा यजेता
मत्ता दुस्ते मत्ता रमः ॐ ह्रीं क्लृप्ता यजेता सा दा भवेत् सा यजेता सा यजेता
देव विरक्त यजेता सा दा भवेत् सा यजेता सा यजेता सा यजेता सा यजेता
मत्ता दुस्ते मत्ता रमः ॐ ह्रीं क्लृप्ता यजेता सा दा भवेत् सा यजेता सा यजेता
देव विरक्त यजेता सा दा भवेत् सा यजेता सा यजेता सा यजेता सा यजेता
मत्ता दुस्ते मत्ता रमः ॐ ह्रीं क्लृप्ता यजेता सा दा भवेत् सा यजेता सा यजेता

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा यदा धर्मो
 क्षीयति तदा क्षीयति कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवाः कुर्वन्सन्निभो वीर्यवान्
 पश्यन्निधनं धर्ममसौ पाण्डवः ॥ १ ॥

ॐ। सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं
 परदेवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव
 सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं
 देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं
 देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं
 देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं
 देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं वं। देवदेव सुप्रपत्तिं पत्तिं

॥ दसदेकेमः पणससो ॥ कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः
 पणसः पणसः पणसः पणसः कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः
 देवकः पुनः सः कळकासः पणसः कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः
 पणसः पणसः पणसः पणसः कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः
 पणसः पणसः पणसः पणसः कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः
 पणसः पणसः पणसः पणसः कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः
 पणसः पणसः पणसः पणसः कळकः पुनः सः कळकासः पणसः देवकः

७

२५५

७०१ ॥ १२ पुं र २ दि ई सु म दु स म स ॥ दे व वि व ल प ण स
स स र्द सु म दु स स क स व ह ३ र्द वे स द य र स स ह म व ॥
र व २ ह ३ र २ द सु र म व प ह ३ सु ॥ दे व वि व ल प ण स व स व २
प ह ३ क प र क स र व २ प २ र म २ व २ सु र र ॥ र व २ पुं र २ स वि व
२ र २ सु र २ व वि व ल प ण स व स क स व ह ३ र ॥ वि स र २
र व २ ह ३ र २ र क स प २ स र व २ व २ क स र २ सु र व २

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷一

[illegible]

ལྷ་མ་ཏུ་སེམས་ཀྱི་དཔལ་ལྷན་གྱི་ལྷ་མ་ཏུ་རས་སེམས་
 ཅན་ཅན་མས་ཐོག་པ་པོ་ཞེས་དགོངས་སོ་ལྷ་མ་ཏུ་རབ་འཕྱོང་དེ་ལྷ་
 མི་པ་ལྷ་ལྷོ་དེ་ཅི་ལྷོ་ལྷོ་ལྷོ་ལྷོ་རབ་འཕྱོང་དེ་ཅི་ལྷན་གྱི་ལྷ་མ་ཏུ་
 ཐོག་པ་པོ་ལྷོ་ལྷོ་ལྷོ་ལྷོ་ཅན་དེ་དག་གི་ཡང་མེད་པའི་ལྷོ་ལྷོ་ལྷོ་
 ལྷ་ལྷོ་དེ་ཅི་ལྷན་གྱི་ལྷ་མ་ཏུ་རས་སེམས་ཅན་གི་ཡང་མེད་པའི་ལྷོ་ལྷོ་
 ལྷ་ལྷོ་ལྷོ་ལྷོ་དེ་ཅི་ལྷན་གྱི་ལྷ་མ་ཏུ་རས་སེམས་ཅན་གི་ཡང་མེད་པའི་ལྷོ་ལྷོ་

3

1059

ॐ॥ ॥ अथ स्यात्कथं विदुषां यदत्राह विदुः
यदत्राह विदुः यदत्राह विदुः यदत्राह विदुः
विदुः कथं स्यात्कथं विदुः कथं स्यात्कथं विदुः
कथं स्यात्कथं विदुः कथं स्यात्कथं विदुः
कथं स्यात्कथं विदुः कथं स्यात्कथं विदुः
कथं स्यात्कथं विदुः कथं स्यात्कथं विदुः
कथं स्यात्कथं विदुः कथं स्यात्कथं विदुः

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ ह्रीं ॥ रत्न २ पुं रं ॥ कं नं यु नं सु ॥ कं नं रं ॥ दं रं ॥ दे वं ॥ वि नं ॥
 ॥ १ ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ वं ॥ कं ॥ नं ॥ पं ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ वं ॥ रं ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ वं ॥
 ॥ २ ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ पं ॥ रं ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ वं ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ वं ॥ रं ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ वं ॥
 ॥ ३ ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥
 ॥ ४ ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥
 ॥ ५ ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥
 ॥ ६ ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥ नं ॥ दं ॥ नं ॥ सु ॥

卷之九

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च द्रुपदश्च
 भीमार्जुनसङ्घः । सौमित्र-
 द्रुपदश्चैतानि पश्यन्निराश्व-
 राणां तदा । पाण्डुराज उवाच ।
 वीर्यवान्पश्यामि युधिष्ठिरपुत्र-
 मर्षाभिलषितधाम । शूराणां प्रमुख-
 मग्र्यमुपासीत ।

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]



人

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

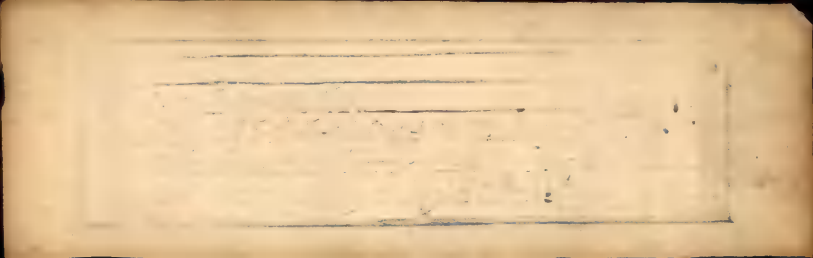
100। 154। 155। 156। 157। 158। 159। 160। 161। 162। 163। 164। 165। 166। 167। 168। 169। 170। 171। 172। 173। 174। 175। 176। 177। 178। 179। 180। 181। 182। 183। 184। 185। 186। 187। 188। 189। 190। 191। 192। 193। 194। 195। 196। 197। 198। 199। 200।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरये नमः ॥ १० ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ १२ ॥
 श्रीबालमणे नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसुगुणाय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीविराटाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीअनादिकाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीनित्याय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीसर्वत्राय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीसर्वभूतारविन्दाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीसर्वलोकेश्वराय नमः ॥ २० ॥
 श्रीसर्वव्यापिकाय नमः ॥ २१ ॥
 श्रीसर्वभूतेश्वराय नमः ॥ २२ ॥
 श्रीसर्वलोकेश्वराय नमः ॥ २३ ॥
 श्रीसर्वव्यापिकाय नमः ॥ २४ ॥
 श्रीसर्वभूतेश्वराय नमः ॥ २५ ॥
 श्रीसर्वलोकेश्वराय नमः ॥ २६ ॥
 श्रीसर्वव्यापिकाय नमः ॥ २७ ॥
 श्रीसर्वभूतेश्वराय नमः ॥ २८ ॥
 श्रीसर्वलोकेश्वराय नमः ॥ २९ ॥
 श्रीसर्वव्यापिकाय नमः ॥ ३० ॥

[illegible]



ॐ। श्रीगवसदासगिरिस्त्रीष्टुत्रं। ॥

ॐ

ॐ॥ सुप्रसन्नोऽहोमः
सर्वदुष्टनाशकः सर्व
सुखदायकः सर्व

[illegible]

五

[illegible]

ཡུལ་ལྟེང་ཅི་ཡང་ཉེན་ཤི་པ་མ་སྟེན་ཅུ་མུ་དཔར་ཤེད་པ་ལ་ཕྱག་ལུ་ལོ།
དེ་བཞིན་གསེགས་པ་སངས་རྒྱུ་ཤི་བ་ཀྱི་དཔལ་མཁས་ཅན་པུ་ཅུ་ལ་པར་མཛད་
པ་ལ་ཕྱག་ལུ་ལོ། །དེ་བཞིན་གསེགས་པ་སངས་རྒྱུ་ཤི་བ་ཀྱི་དཔལ་མཁས་ཅན་
པ་ལ་ཕྱག་ལུ་ལོ། །དེ་བཞིན་གསེགས་པ་དེ་མེད་ལྷན་པའི་དྲི་བ་ཤི་ལྟེན་
པ་མེད་དྲི་བ་ཤི་བ་ཀྱི་དཔལ་མཛད་པ་ལ་ཕྱག་ལུ་ལོ། །དེ་བཞིན་གསེགས་པ་
དེ་མེད་ལྷན་པའི་དྲི་བ་ཤི་བ་ཀྱི་དཔལ་མཛད་པ་ལ་ཕྱག་ལུ་ལོ། །དེ་བཞིན་གསེགས་པ་

ॐ । व'रूद्विगस'वेद'ऊ'प'र'वा'वेवा'स'प'सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि
 वा'से'वा'स'प'र'रू'द्विगस'प'र'र'सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि
 वे'द'प'प'सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि'वा'से'वा'स'प'सु'वा'रू'ऊ'प'प'
 सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि'वा'से'वा'स'प'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'
 सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि'वा'से'वा'स'प'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'
 वे'द'प'प'सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि'वा'से'वा'स'प'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'
 वे'द'प'प'सु'वा'रू'ऊ'प'प' । दि'व'वि'वा'से'वा'स'प'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'वा'वे'द'र'र'

[illegible]

12

ॐ । यो । । सत्यं कुरु श्रीं किं ह्युपमेदयन् । देवकिं न मे वा
पक्षे सः श्रीं कुरुपमं कुरुपमं कुरुपमं । । सत्यं कुरु श्रीं किं ह्युपमेदयन्
मपचरयन् । देवकिं न मे वा सः पक्षे सः कुरुपमं कुरुपमं
पक्षे सः कुरुपमं । । सत्यं कुरु श्रीं किं ह्युपमेदयन् । देवकिं
न मे वा सः पक्षे सः कुरुपमं कुरुपमं कुरुपमं । । सत्यं
कुरु श्रीं किं ह्युपमेदयन् । देवकिं न मे वा सः पक्षे सः

ཟེར་གྱི་སྤྱུ་པ་དཔོན་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ལ་ཕྱག་འཕྲིན་ལྟ་ལོ། །སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་
རྒྱུ་དང་ལྡན་པ་ན། དེ་པལ་ཞིན་གསེགས་པ་མ་དོན་པར་མ་ཁྱེན་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
འོད་ཟེར་ལ་ཕྱག་འཕྲིན་ལྟ་ལོ། །སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ལོ་ལོ་དཔོན་གྱི་ལ་འཁོར་
མ་དོན་འདྲ་ན། དེ་པལ་ཞིན་གསེགས་པ་འོད་ལྟ་ལྟུགས་པ་ལ་ཕྱག་འཕྲིན་ལྟ་ལོ། །
སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་པདྨ་འོད་པ་ལ་ན། དེ་པལ་ཞིན་གསེགས་པ་དཔལ་གྱི་སྤྱིང་
པོ་ལ་ཕྱག་འཕྲིན་ལྟ་ལོ། །སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་སྤྱིང་ཕྱོགས་སངས་པའི་གཞས་ན།

[illegible]

[illegible]

卷之九

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཕྱེད་པའི་དུས། དག་སྒྲོང་གྲོང་ཆོག་ཕྱེད་པའི་དུས། ལྷ་གས་པས་གམཔ་འཁུགས་ཕྱེད་
པའི་དུས། བཅོ་པོས་གསུང་ལྷ་གས་ཕྱེད་པའི་དུས། དག་བཤེས་དཔག་དཔོན་ཕྱེད་པའི་
དུས། ཆོས་ལམ་ཐོན་འཕོང་རྒྱུ་པའི་དུས། ལྷ་ཁང་མུང་མེད་ཀྱིས་འཛིན་པའི་
དུས། བུད་མེད་སྒྲུབ་པ་སྒྲོང་པའི་དུས། བཅུ་ལྔ་ལྷ་གས་མི་བསྐྱུང་པའི་དུས།
ལྷ་སྒྲོང་མུང་པ་དག་པའི་དུས། རྒྱུས་པ་མ་ཆོད་ཀྱིས་བཀུམ་པའི་དུས། གནས་
པར་འདྲེན་པའི་དུས། ལྷ་གས་པའི་དུས། ལས་དཔྱད་པའི་དུས།

卷之五

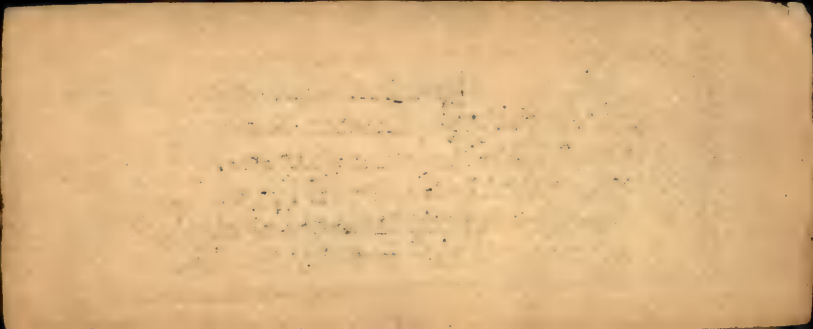
[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]



म३३

ॐ ॥ दमयन्ते रक्षसाः प्रदेष्टुं स्वपत्न्यं वल्लभाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । ॥ मन्त्रे शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥
 १५५ । ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥
 १५६ । ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥
 १५७ । ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥
 १५८ । ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥
 १५९ । ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥
 १६० । ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥ अंग गीता चरः शुभ सायन रवि नक्षत्र कुम्भे दक्षिणे ॥

[illegible]



2) - 75 1/2 x 1 1/2 x 1 1/2

[illegible]

རྩོམ་པ་སྒྲིག་པ་མ་ཡི། །སེམས་ཅན་རྣམས་ལ་བཟོ་བྱས་ཀྱི་རྒྱུ་ལས། །འབྲུག་པ་
 བསམ་གཏན་རྒྱུ་མ་ཐུག་ཅུག་སེམས་མེད་དང་། །དེ་ལ་འདྲི་བྱས་ཀྱི་འདྲི་སྒྲིག་པ་
 བསྒྲིག་པ་པས་དེ་མ་ཐུག་ཅུག་གི་ནི། །འབྲུག་པ་ x ཡི་སྒྲིག་པ་དེ་མ་ཐུག་གི་སྒྲིག་
 རྩོམ་། །དེ་ལ་འདྲི་བྱས་ཀྱི་འདྲི་སྒྲིག་པ་ལྟར་། །འབྲུག་པ་ཅན་སྐྱེ་བའི་འབྲུག་
 པས་། །འདྲི་བྱས་ཀྱི་འབྲུག་པ་འཕྲུག་ཀྱི་རྒྱུ་ལས་། །འཕྲུག་པ་ཅན་ལྟར་། །འཕྲུག་
 པ་ལྟར་སྐྱེ་བའི་འཕྲུག་པ་ཅན་ལྟར་། །ཡན་ལག་རྩེ་བའི་ཡན་ལག་འཕྲུག་པ་ལྟར་། །ཆོས་ཀྱི་ཡན་
 ལག་ལྟར་། །འཕྲུག་པ་ཅན་ལྟར་། །འཕྲུག་པ་ཅན་ལྟར་། །འཕྲུག་པ་ཅན་ལྟར་། །འཕྲུག་པ་ཅན་ལྟར་།

[illegible]

[illegible]

७७ । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर ।
यत्नः । ॥ कंसं प्रेमैकं दत्तं कृतं न तु रतेन । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर ।
संमत्तं चत्तं दत्तं न तु रतेन । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कंसं
कृतं परमैकं दत्तं न तु रतेन । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कृतं
संमत्तं चत्तं दत्तं न तु रतेन । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कृतं
यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कृतं
यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कृतं
यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कृतं
यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ यत्नः सन्ध्या परमैकं पुनः सैर । ॥ कृतं

[illegible]



०

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之五



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



རོང་པོ་རམ་པ། ། ལྷོ་ཚོགས་ཁམས་ཀྱིས་རྒྱལ་པར་རྒྱས། ། ལྷོ་ཚོགས་ལོ་ན་བས་
 བཟམ་པ་སྟེ། ། རྩོ་གཞིས་དུམས་སྒྲུབ་ཀྱི་ན་པ། ། རབ་བརྒྱ་ལྷོ་ཚོགས་ཀྱི་ཚོ་
 རི་དུམས་ལྷོ་ཚོགས་ལ་ལུགས་པ་སྟེ། ། ལོ་རྩོག་ལྷོ་ཚོགས་རིགས་རྒྱལ་སྒྲིབ་
 རྒྱལ་དུ་དེ་ཡིས་བཀའ་བ་སྟེ། ། ལྷོ་ཚོགས་ལོ་རྩོག་དང་ལྷོ་ཚོགས་ལུ་ལྷོ་བ། ། ལོ་རྩོག་
 ལྷོ་ཚོགས་ལྷོ་བ། ། ལོ་རྩོག་ལྷོ་བ་སྒྲིབ་པེ་བ། ། ལྷོ་ཚོགས་ལྷོ་བ་སྒྲིབ་པེ་བ། ། ལྷོ་ཚོགས་
 ལྷོ་བ། ། ལོ་རྩོག་ལྷོ་བ་སྒྲིབ་པེ་བ། ། ལྷོ་ཚོགས་ལྷོ་བ་སྒྲིབ་པེ་བ། ། ལྷོ་ཚོགས་ལྷོ་བ་སྒྲིབ་པེ་བ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ།
དཔལ་ལྷན་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ།
པའི་འདྲ་ལྷན་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ།
སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ།
འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ།
འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ། འཇིག་རྟེན་གསལ་བྱེད་སྒྲུབ་པ་ཙུཿ།

[illegible]

52

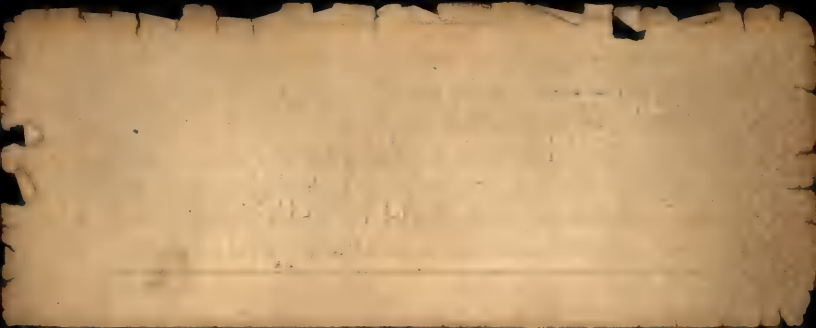
[illegible]

ཅན་ལྟ་ལ་བདེ་སྒྲེལ་མ། །སྒྲིལ་ཀྱང་མེད་ལ་ཀྱང་སྤུམ་སྒྲིལ། །མཉམ་ཀྱང་མེད་
ལ་ཅི་ལྟ་ལྟས་པ་ཡིས། །དེས་ནི་དུས་མི་རིམ་པར། །ཁྱེད་སྤྱི་དབང་ལ་ལམ་ཐོབ་
པར་འགྱུར། །ཉེ་ལྷན་ལྟ་པར་དབང་པར་འགྱུར། །འཕྲོ་ཀ་པ་ལྟ་གཤེད་འགྱུར་
བའོ། །མེད་པ་ཤེས་པ་ཆེ་ཀྱོང་པར་འགྱུར། །ཡིད་གཏུངས་འགྱུར་བ་ཐོའོ་མཉམ་པའོ། །
བཅིངས་པ་བཅིངས་ལས་གྲོལ་པར་འགྱུར། །ཐུགས་ལས་ཀྱང་ཁྱེད་ལ་པར་འགྱུར། །
དགྲའོ་བ་ཤེས་པར་འགྱུར་བ་ལྟེ། །རྩལ་ཀྱང་ནི་མཉམ་པའོ། །དོག་པའི་ལ་ཐབ་མོ་

[illegible]

གཤེད་བྱེད་ལྷིན་པོ་དང་། །མཚོ་རྩུ་བ་པ་འི་སེམས་ལ་ཕྱག་ལྟ་གཤེད་བྱེད་ལྷིན་པོ་དང་།
བྱེད་། །མྱོ་བྱེད་དང་ནི་གདོན་ཆོན་ནམས་། །ཁྱིམ་གཤེད་དང་ནི་ཐང་དྲུང་དང་།
ཤ་བ་ལ་སོགས་པ་ནམས་དང་། །འོ་ལ་དང་ལ་སོགས་ཕྱ་ཆོག་ས་ནམས་།
ཐམས་ལྟར་བྱེད་གཤེད་སེམས་ལ་ཕྱད་པ་ནམས་། །ཁྱིམ་ལ་ཡང་ནི་འགོ་མ་མི་འཁྱུར་།
འོ་རྩུ་ར་སྒྲུར་ནི་མཚོ་དབར་འཁྱུར་། །ཕྱད་པ་འི་སེམས་ཅན་འཆིང་བ་ཡང་ཁྱུར་།
ནོད་ལ་སོགས་པ་ས་ཐོབ་ས་མི་འཁྱུར་། །ཕྱག་དང་ལོ་ས་མྱོད་ལོན་ཏན་ལྟོན་། །

[illegible]



6

७७।

। गैरः पञ्चोः पूजा शिवः पञ्चकवसः वीरस्य स्य पञ्चकवसः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । । सुदधर रेक के क कु ल व रे म ई । । मे रे स म ग स ल व रे म ग स य रे । । र ग म
म के ग रे क के क कं स ग सु म म स र स । । र य व रे म म र ल रे क रे य सु र म रे र म र ग
र ग रे म र ग म रे म म र ग र र । । ग रे र रे य रे क म गे त र सु र म रे क म स । । क रे
रे म क क र म रे क क म स ग क । । पु म म म ग रे म र म रे क म स म सु र रे क र रे र स
क स म सु र य यी । । म रे क ग क सु य रे रे य । । र म क क र म रे सु य म स म स स
रे । । क स क म स र म रे क रे स म क स र रे र स सु म स र स म म म म रे य म र ग रे र

[illegible]

[illegible]

७२।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

གྱི་བྱད་དང་གཏད་ཐོལ་ཐོལ། རྩེ་བྱུང་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ཐོལ་ཐོལ། ལུས་དག་ཡིད་
 གསུམ་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ཐོལ་ཐོལ། སར་མས་སྲུ་སྲུལ་མགོ་གཟུ་པའི་བྱད་དང་གཏད་
 ཐོལ་ཐོལ། རྩེ་མས་སྲུ་སྲུལ་མགོ་ལྟ་བུའི་བྱད་དང་གཏད་ X རུབ་མས་སྲུ་སྲུལ་
 མགོ་བྱུ་པའི་བྱད་དང་གཏད་ X བྱད་མས་སྲུ་སྲུལ་མགོ་དག་པའི་བྱད་དང་གཏད་ X
 སྲུ་བྱུལ་རེགས་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ཐོལ་ཐོལ། སྲུ་རྩེ་རེགས་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ X
 སྲུ་དམའ་མ་རེགས་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ཐོལ་ཐོལ། སྲུ་གདོ་ལ་རེགས་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ X
 སྲུ་བྱུལ་བེད་རེགས་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ X སྲུ་བའོ་མ་རེགས་གྱི་བྱད་དང་གཏད་ X སྲུ་གཟུ་

ॐ । रीत'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X गु'सु'ब'र'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X स'ब'द'ग'
र'ह'र'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X र'ह'र'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X
गु'द'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X ग'ब'र'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X
य'सुद'बा'न'द' X ग'न'र'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X
क'य'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X
र'ह'र'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X
स'ब'द'ग'स'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X

ॐ । रीत'ग्रे'सुद'द'बा'न'द' X

[illegible]

三

[illegible]

۱۳۳۴

[illegible]

[illegible]

महर्षिर्वाच ॥ देवस्य दुःखं प्रवक्ष्यामि ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ तदेवैषां ॥ देवस्य दुःखं प्रवक्ष्यामि ॥
यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥
यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥
यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥ यत्किञ्चिद्दुःखं भवेत् ॥

७२। संमत्तपुत्रोऽयं देवेभ्यो नमः सर्वेदेवैर्नमस्कृत्य भूषणाय नमः ।

༤༩༩། ། ལྷ་མ་དང་དྲེ་རྩེ་འཆད་ཆེན་པོ་ལ་གུས་པས་ཕྱག་ལེན་པའོ། ། ཁྱུ་ལ་བ་ཀུན་
 གྱི་འཕྲིན་ལས་གཅིག་བསྐྱེད་ནས། ། ཆོ་འདི་ཉིད་ལ་དངོས་གྲུབ་མཆོག་སྟེར་བའི། །
 དྲེ་འཆད་དབང་དཔལ་ལྡན་ཆོས་ཀྱི་རྩེ། ། སྒྲིབ་གཤིམ་རྩྭ་ར་བཟུགས་ལ་མཆོག་སྟེན་ལ་
 ཅིག་། ། མདོ་དང་རྒྱུད་སྟེ་མཁས་པ་ཤིག་ལྷུང་རྒྱལ་ལ། ། འཛིགས་མེད་སྐྱ་བའི་ཐོག་པ་
 མ་ལོགས་ཐོབ་ནས། ། རིམ་གཤིས་མཐར་ཐོན་དཔལ་ལྡན་ཆོས་ཀྱི་རྩེ། ། ཤེས་རབ་
 སེམས་ཀྱི་ལྷ་མ་ལ་གུས་པས་འདུད། ། ཀུན་མཁུན་བདེ་བར་གསེགས་པ་ཤིབ་སྟོན་

७७ । । ममकथा । वपममरयप्रियवावुदभुदभुवावुद । । कथासु
कथाकथासुमद्वयद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम
२ ॥ कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम
कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम
कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम
कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम
कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम । । कथासुमद्वयमरेयम

ཁྱེད་ཉིད་ཅེས། །སྒྲུབ་པ་ཉི་མ་དཔྱ་སྤྱིད་པ་གསུམ་པ་ཡོད། །མི་ལ་གསུང་གི་
ཚུགས་ཏེ་ལས་ཤིང་པ། །སྤྲུལ་དོན་ཤི་ཆེན་དབང་གི་ཚུལ་ཡོད། །ཁྱེད་ཀྱི་དང་
པ་ཉི་སྒྲུབ་པས་ཐོབ་པ་གསུང་། །སྒྲུབ་པ་བཟང་སྤྱི་གསུང་གི་ཚུལ་དུ་ཁྱེད་ཀྱི་
བདེ་གསེལ་གསུང་གི་ཚུགས་ཏེ་ལས་ཤིང་པ། །འདུལ་བ་འདུལ་སྤྱི་ཉི་ཚུ་
ཁྱེད་བསུལ་པ་ལས། །ཁྱེད་ཀྱིས་ཐོབ་པ་ཉི་ཚུལ་ཤིང་པ་བདེ་ཉི་ཚུ། །
གསུང་ཁྱེད་ཉི་ཚུ་སྤྱི་ཉི་ཚུ་ཁྱེད་ཉི་ཚུ་ལས་ཡོད་ཁྱེད་ཀྱི་ཉི་ཚུ། །འདུལ་པ་ཉི་ཚུ་ཁྱེད་ཉི་ཚུ་ཁྱེད་ཉི་ཚུ།

༡༡ ། ལྷ་པོ་ལ ། ། ལེགས་གསུངས་རིགས་ཚུ་ལ་འིན་མེད་ཉེད་པའི་
དཔལ ། ། རྒྱུད་ཀྱི་ཚུ་དཔྱད་མཁྱེན་གས་འགྲོས་ལེགས་དངས་པས ། ལྷོགས་ལ་
ཐུང་བའི་རིགས་པའི་དགའ་སྟོན་ཚུ་ད ། ། རྩི་རུང་གི་ཞལ་གྱི་ཚུ་འཛིན་ལས ། །
ལེགས་པར་ཤོངས་པའི་ཚུ་དཔྱད་མཁྱེན་འཕུད ། ། རིམ་གཤེས་མཚན་གི་ཚུ་ཐུ་
ལེན་པ་ལ ། ། རྒྱུད་ནི་འགྲོ་བའི་དོད་པོ་ཆེན་པོར་ཐུར ། ། དཔལ་ལྷན་སྐྱུ་སྐྱུ་
ཞབས་ཀྱི་ལེགས་བཤད་གཏེར ། ། རིམ་པ་ལྷ་ཡི་དེ་དེ་དོད་སྟོན་པ་ལ ། ། ས་སྟོར་

འདི་ན་ཅི་མ་ཟླ་བ་ལྟར།། ཁྱེད་ཀྱི་འགྲམ་པ་འི་ཟླ་དང་བུལ་བར་གྱུར།།
ཁྱེད་གྱོ་བའི་གཞི་ན་གྱུར་ཀུན་སྤྲུལ་དམ་པ་ལ།། དང་པ་འི་སྐྱེ་མས་ཀྱིས་
ཕུང་བུ་བསྟོད་པ་འདྲི།། ཅི་ན་ཕྱི་དུང་ན་མུན་པ་འི་དཀྱིལ་འཁོར་བཞིན།།
གཙམ་བུ་འི་ཆོས་གོ་གོ་སྐབས་འདྲི་ཕྱེད་ལ།། དེ་སྤང་བའི་བར་གསེགས་
པ་འི་བསྟོན་པ་མཆོག་།། ཆོས་ལྟར་བཅོས་པས་ཀུན་དུ་ཉམས་པར་གྱུར།།
དེ་སྤང་ཁྱེད་ཀྱི་ཕྱེད་དཀར་མཛད་འཕྲིན་ལྟམས་།། འཁོར་བ་སྤྱི་དུ་དར་ཅིང་

[illegible]

མོའུ་དང་ནི། ། ཀུལ་པ་འི་སྤུ་མོ་འཇམ་དཔལ་སྒྲིལ་མོ་སྟག་ས། ། །
མ་སྟེན་གའི་ན་དམ་པ་བསྟེན་པ་འི་བཀའ་དྲིན་ལས། ། ། རྒྱལ་དབང་བསྟེན་
པ་འི་སྒྲིལ་མོ་སྒྲིལ་པ་འི་དྲིན། ། ། ལེགས་པ་པར་རྟགས་ནས་སྤྱི་མེད་དྲི་བྱེད། །
ཡུས་སས་བསྟེན་པ་འི་དཔལ་འཕྲུལ་ལུས་སྟེན་པ། ། ། སྤྱི་འཕྲུལ་སྤྱི་
ལུང་ལ་མཁུན་པ་འི་སྤྱི་བྱེད་ནས། ། ། རྒྱལ་དབང་བསྟེན་པ་འི་དཔལ་འཕྲུལ་
འཕྲུལ་པ། ། ། བདག་ཀྱང་མཁུན་པ་འི་སྤྱི་འཕྲུལ་འཕྲུལ་པ། ། །

༡༡ । । རྩོད་གཞིགས་པའི་གོ་འཕང་ཐོབ་ཀྱི་པར། ། རྩེ་བ་ཀུན་དུ་
 རྩོད་པས་དྲན་པ་དང་། ། དུར་སྤྲིལ་འདྲིམ་པའི་མཆོག་དུ་ཁུར་བར་སྤྲོད། །
 རྩོད་པ་སྤྲོད་ཀྱི་ཁུར་བའོ། ། ཞེས་པ་འདི་ནི་སྤྲོད་པ་ལས་མཛད་པའོ། ། བསྟན་པ་འདི་དག་ཀུན་དང་
 དཔེ་འདྲ་མཆོག་སྤྲོད་པའི་ཀྱི་ཀྱི་དུ་དཔུང་བ་བྱོད་དཀར་བ་ཞེས་འདུག་ཀྱང་། རྩེ་བ་ལུ་ཁྱེ་མཆོག་དགོ་འདུག་ལུ་མཆོག་
 པའི་ཐུག་དཔེ་དོ་མཁུར་པ་དག་ཅིག་ལྟོད་པ་ཁྱེ་མཆོག་ལུ་ཁྱེ་བྱེད་ཀྱི་ཐུག་པས་དཔེ་དུ་བསྟན་པས་པའོ། །

|| ༥ || རྒྱུ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ ||

— 10 —

789

[illegible]

[illegible]

१॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 २॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ४॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ५॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ६॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ७॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ८॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ९॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 १०॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

༡། ཁྱེད་ཀྱི་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་
 མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་
 མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་
 མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་
 མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་མཛེས་ལྷན་པུ་

بسم الله الرحمن الرحيم
الحمد لله الذي هدانا لهذا
الذي كنا لنهتدي لہ
ما كنا لنهتدي لہ
ما كنا لنهتدي لہ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

۱۰۰

ཐུག་པ་རྒྱུ་ཡི།

ཐོད་སྐད་དུ་གྱུར་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

۹۲

[illegible]

上
三

[illegible]

ॐ । सुखं पुण्यं चैव यत्तु न भवेत्तद्विनाशाय ॥

五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षिणः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वैशम्पयन ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ १० ॥

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely Persian or Urdu, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and flowing, characteristic of historical manuscript writing. The paper shows signs of age, including discoloration and slight wear along the edges.

ॐ । प्रहस्योक्तस्य विष्णुस्य ध्यानात् । सर्वत्र विष्णुस्य ध्यानात् ।

ॐॐॐ। १। सदगणेशपुत्रकुपञ्चदशाय। । रहुणपङ्कम
 पदपङ्कमसपयि। । नगोवणददेस। रज्जुवगुत्त। । पुत्रकुपञ्चदश
 रहुणपदगण। । पुणसङ्कमसगुत्तकुपुसदसोमस। । पुणपुत्र
 कपदिसुदप। । रदणपदणगोपदङ्कमसगुत्त। । पदेनगपुत्र
 मङ्कपपदगण। । रदण। रज्जुवगुत्त। । कसपदपदपस
 कससपुत्र। । रज्जुवगुत्तकुपुसदपयि। । पदपङ्क कङ्क। रज्जुवगुत्त
 गण। । रज्जुवगुत्तकुपुसदपयि। । पदपङ्क कङ्क। रज्जुवगुत्त

༦༠ । འདྲེན་ཏུ་རྩི་ལུས་ཅན་རྣམས། ། བདེ་ཅན་བདེ་བས་དག་པ་
ཡར་ཤོག ། གུང་བས་ཉུ་མཐག་ཏུ་ཐོབ་ཤོག ། བྱང་རྒྱ་བས་ཉུ་མཐག་ཏུ་
ཆེ་མཐས། ། བྱང་བའི་རྒྱ་ལོ་མཐག་པས་རྒྱས། ། ཆེ་བས་ཉུ་མཐག་བས་པ་
ཐོབ་ཤོག ། རལ་གྱི་ལོ་མཐག་པས་ཆེ་པ་ཡང་། འདྲེན་ཏུ་ཆེ་པ་རྒྱས་
གུང་ཤོག ། རལ་མཐི་ལོ་ཐོབ་པ་ཡང་། ། དག་པས་མཐི་ཏུ་འབྱུང་ས་པར་
ཤོག ། མཐི་ལོ་ཐོབ་ཏུ་འབྱུང་ས་པར་ཡང་། ། བཀའ་སྒྲུབ་ས་རྒྱས་ཏུ་འབྱུང་
པས་མཐི་ཏུ་འབྱུང་ས་པར་ཡང་། ། བཀའ་སྒྲུབ་ས་རྒྱས་ཏུ་འབྱུང་
པས་མཐི་ཏུ་འབྱུང་ས་པར་ཡང་། ། བཀའ་སྒྲུབ་ས་རྒྱས་ཏུ་འབྱུང་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मधेन विद । । रेकयस हण दुष्टा धेस जेण । । ह्यमोष्ठ द्युध द्ये विवदु । । सुखा
मभरण मेद मेद प ठ र म र जेण । । गठे पु क म स ग्रीस गेस दण दद । । पशेस
प क म स ग्रीस व स द री । । ओ म प क म स ग्रीस कु पा द । । पदु द प वि म प
धे प प र जेण । । पशे क प क म स ग्रीस के र धे प जेण । । सुद क म स दण दण र
धे प जेण । । यि क द क म स ग्रीस यि द स स जेण । । पद क प द्यु क सु म के ग स प र
जेण । । से क स ठ क क प द ह्ये द प । । सुद क द य स द र सु र ठेण । । रणे वी
व द के क सु स प । । हण दु र पु र प मे द प र जेण । । ज्ञण प क म स के र ह्ये स

བར་ཤོག རྟོག་སྟོག་སྟེ་ལམ་མེད་ཅེས་པར། །ཕྱིས་པ་ཆེན་མོ་ལྟོག་
མེད་པ། །གཞིར་ལོག་ཕྱིས་ཤིང་ལོག་ཕྱིས་རྒྱལ་ས། །ལྷ་དག་སྤྱད་པར་བྱེད་པར་ཤོག །
མིང་ལྟ་ཀྱང་ལས་ཐར་པ་དང་། །དང་དང་ཤེས་ལ་པ་ཕྱི་ལྟ་ཞིང་། །ཟས་དང་སྤྱད་པ་
ལྟ་རྒྱུ་ཆོག་སྟེ་རྒྱས། །རྟོག་ཏུ་ཆོར་པས་དྲན་པར་ཤོག །ཐམས་ཅད་ཀྱང་ལས་ལས་
མཛོད་པ་ཞི་བ་དུ། །ལོ་སྤྱོད་ཆད་པ་མེད་པར་ཤོག །ཅུང་པ་མེད་ཅིང་ཆོ་མེད་པར། །
དང་དང་དུ་ཞི་བྱེད་པར་ཤོག །སྟེ་ལས་ཅན་གྱི་ཐུང་ཐུང་ཆུང་ཆུང་པར། །དེ་དག་གི་ཐུང་
ཆོ་བ་པོར་ཤོག །དཀར་ལྟ་པ་ཅན་གྱི་ཐུང་ཐུང་པར། །ཁྱེད་ཀྱི་ཐུང་ཐུང་པར།

[illegible]

འཁོར་ལྷུ་ཡང་བྱ་གཞི་ལྟར་། །དཔག་པས་མ་གྲིང་གི་འཁྲུང་མོས་ཆོས་། །མངས་ཀྱིས་དངོས་
 སངས་ཀྱིས་ཐུས་། །ཆོས་སྤྱོད་ཀྱིས་ཀྱོག་པས་གང་པ་ཡིས་། །ཕྱོགས་སྤྱོད་མས་ཐེ་མས་ཅད་
 གང་པར་ཤོག་། །ཐེ་མས་ཅད་དུ་མིས་གཞི་བྱས་། །གསལ་མཁའ་ལོགས་ལྟེན་པར་དང་། །ལྷ་
 མཁའ་ལྟེན་མཁའ་པའི་རྒྱུ་ལྟེན་། །རང་པོ་ཞི་མཁའ་ལྟེན་མཁའ་པའི་རྒྱུ་ལྟེན་། །འཁོར་བྱི་
 དྲུག་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་། །ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་། །རང་པོ་ཞི་མཁའ་
 ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་། །ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་།
 ལྟེན་ལྟེན་། །ཤིང་དང་འོད་ཟེར་ཐེ་མས་ཅད་དང་། །ཐེ་མས་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་།

ॐ । त्रुक्मीरुक्तं परं प्रेषं परं प्रेण । देदणं देणं दुदं दुदं त्रुसदं ।
 ससं त्रुससं ससं ससं त्रुससं । मर्केदं पदे श्रीं कर्क मप्रदं पदं पदं ।
 रप्रं पदे प्रुममर्केदं परं प्रेण । प्रुपदं दुसं प्रुकरं पदे पदं प्रेण । प्रे-
 णं प्रुक्प्रुमर्केणं परं प्रेण । प्रुपदे कं पदे कं प्रेदं प्रुसं प्रेण ।
 रदेणं कं कं प्रुदं परं प्रेण । प्रुक्प्रुममप्रुदं प्रुक्प्रुदं । पदं
 प्रुपदं प्रुपदं प्रुदं प्रुपदं प्रेण । मपदं प्रेणं प्रुक्प्रुपदं प्रुपदं ।
 प्रुदं प्रेणं प्रुममदं प्रुक्प्रुसं प्रेण । प्रुममठं कं पदं प्रुपदं प्रुपदं ।

一

[illegible]

འཕྲིན་པ་

༡༡། ཡིད་བྱུང་ནས། རྟག་ཏུ་སྒྲིག་པ་ཅན་གྱི་དུ་ཤོག། ཁ་དེ་འགྲོ་དག་གྱུར་
ཐོག་གྱུར་ནས། རེས་ཡང་བརྒྱལ་བ་ལྷན་ས་མི་ཉེ་མས་ཤོག། མཁའ་པ་རྒྱ་མས་ནི་
བཀུར་བ་དང་། བསོད་སྟོན་མས་དག་གྱུར་རྟེན་པར་ཤོག། རྒྱུད་ནི་ཡོད་སྟེ་སྤྲུག་པ་
དང་། རྟོག་ས་རྒྱ་མས་ཀྱི་རྒྱུ་གྲགས་པར་ཤོག། འཇམ་སྟོན་སྤྲུག་བསྐྱེད་པ་མི་ལྟོད་
ཞིང་། རྟག་ཏུ་འབྱུང་པ་མེད་པར་ཡང་། ལྷ་བས་ལྷན་པ་འདི་ལྷ་ས་ཀྱིས་ནི།
དེ་དག་སེམས་རྒྱས་ལྷུང་ཐོག་ཤོག། སེམས་ཅན་ཀྱུ་རྒྱུ་ལྷ་ལྷ་མང་དུ། སངས་རྒྱས་
ཐམས་ཅད་མཆོད་བྱེད་ཅིང་། སངས་རྒྱས་བདེ་བ་དཔལ་མཁའ་ས་ཀྱིས། རྟག་ཏུ་འདི་

[illegible]

五言古詩

[illegible]

འཕྲུལ་ཕྲུལ་མཁའ་ཁྱིལ་ལྟ་བུ། །པདྨ་པ་ཐམས་ཅད་འཕྲུང་བ་ལྟ་བུ་མཁའ་ལ། །པ་སྒྲུབ་པ་རྩེ་དང་དབང་ལྟར་སྒྲི
ད་དེ་ནི། །པཅས་ཏེ་ཡུལ་མཁའ་ལྟ་བུ་མཁའ་ལྟར་ཕྱིན། །གང་གི་དྲིམ་གྱིས་དགེ་སྤྱོད་འཕྲུང་། །འཇམ
པ་ལྟེན་ཕྲུང་སྐུ་ལྟ་བུ་འཆོལ་ལོ། །གང་གི་དྲིམ་གྱིས་པདྨ་དང་པ། །དགེ་བའི་པདྨ་སྐུ་
ལ་པདྨ་ལྟ་བུ་འཆོལ་། །ཕྱང་རྒྱུ་པ་ལྟ་བུ་པདྨ་དང་པ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལ། །པདྨ་ལྟ་བུ་
ཕྱང་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་
དེ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་པདྨ་ལྟ་བུ་

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व
सर्वं तत्तु मे भगवन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यत्किंचिदपि कुरुष्व सर्वं तत्तु मे भगवन् ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व सर्वं तत्तु मे
भगवन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि
कुरुष्व सर्वं तत्तु मे भगवन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ॥ । दसदासोद्वेपरे... नमो भद्रं कुरु सर्वान्...
 यो । दसदासोद्वेपरे... नमो भद्रं कुरु सर्वान्...
 दसदासोद्वेपरे... नमो भद्रं कुरु सर्वान्...
 दसदासोद्वेपरे... नमो भद्रं कुरु सर्वान्...
 दसदासोद्वेपरे... नमो भद्रं कुरु सर्वान्...

[illegible]

ॐ । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।

[illegible]

ॐ । पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
पवित्रं च धर्मं च । नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

अहंकारं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव ।
परमेश्वरं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव ।
सुखं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव ।
विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव ।
विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव । देवोऽहंकारं विदुः प्रदेव ।

འོད་གསལ་རྒྱ་མཚོ་བཅས་ཀྱི་ཡུལ་ནས་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་
ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་
ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་
ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་
ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་ཁོང་གི་ཕྱི་རྒྱལ་པོ་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
शिष्यं त्वमतः पूर्वमेतस्मात्कुलं बभूवुः ॥
अहं ह्यहं प्रपन्नोऽहं विप्रस्य मया ॥
उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहं वीर्यवान् । मामास्मेति शरणागतं
त्वम् ॥

一

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुदेवमुत्तमसूक्त्या ॥ नमस्तुभ्यं ॥ अहं
नमस्तुभ्यं ॥ नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥
नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥
अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥
अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥
अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥ अहं नमस्तुभ्यं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

५ मङ्गलस्य नमः कुम्भजम्भरे ज्ञापयन्तु वरं केन वरिणः पदगणः प्रवृत्तये वरं ॥ ११ ॥

༡༡། རྒྱལ་པོ་གསུམ་གྱི་ཕ་ཁྱེ་མདོན་རྩོགས་བཞུགས་པོ། །

四

[illegible]

△

[illegible]

[illegible]

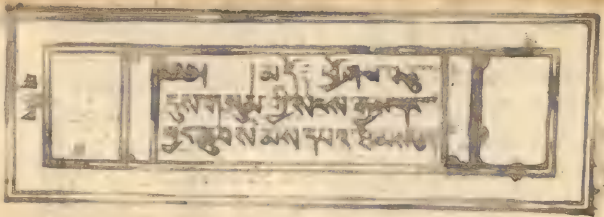
[illegible]





5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
श्रीकृष्णार्चनम् ।



[illegible]

五

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, enclosed within a rectangular border. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive writing. The page shows signs of age, including discoloration and wear along the edges.

121

ॐ । गणेशाय नमः ॥ सुखं पुण्यं विना विना विना विना ॥ १ ॥
 परमं देव्यं पुण्यं ॥ २ ॥ विना विना विना विना ॥ ३ ॥
 परमं देव्यं पुण्यं ॥ ४ ॥ विना विना विना विना ॥ ५ ॥
 विना विना विना विना ॥ ६ ॥ विना विना विना विना ॥ ७ ॥
 विना विना विना विना ॥ ८ ॥ विना विना विना विना ॥ ९ ॥
 विना विना विना विना ॥ १० ॥ विना विना विना विना ॥ ११ ॥
 विना विना विना विना ॥ १२ ॥ विना विना विना विना ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

9

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विदुषां प्रसादात् ।

[illegible]

१४२४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९१००१०११०२१०३१०४१०५१०६१०७१०८१०९११०१११११२११३११४११५११६११७११८११९१२०१२१२२१२३१२४१२५१२६१२७१२८१२९१३०१३१३२१३३१३४१३५१३६१३७१३८१३९१४०१४१४२१४३१४४१४५१४६१४७१४८१४९१५०१५१५२१५३१५४१५५१५६१५७१५८१५९१६०१६१६२१६३१६४१६५१६६१६७१६८१६९१७०१७१७२१७३१७४१७५१७६१७७१७८१७९१८०१८१८२१८३१८४१८५१८६१८७१८८१८९१९०१९१९२१९३१९४१९५१९६१९७१९८१९९२००२०१२०२२०३२०४२०५२०६२०७२०८२०९२१०२११२१२२२१३२१४२१५२१६२१७२१८२१९२२०२२१२२२२३२२४२२५२२६२२७२२८२२९२३०२३१२३२२३३२३४२३५२३६२३७२३८२३९२४०२४१२४२२४३२४४२४५२४६२४७२४८२४९२५०२५१२५२२५३२५४२५५२५६२५७२५८२५९२६०२६१२६२२६३२६४२६५२६६२६७२६८२६९२७०२७१२७२२७३२७४२७५२७६२७७२७८२७९२८०२८१२८२२८३२८४२८५२८६२८७२८८२८९२९०२९१२९२२९३२९४२९५२९६२९७२९८२९९३००३०१३०२३०३३०४३०५३०६३०७३०८३०९३१०३११३१२३१३३१४३१५३१६३१७३१८३१९३२०३२१३२२३२३३२४३२५३२६३२७३२८३२९३३०३३१३३२३३३३३४३३५३३६३३७३३८३३९३४०३४१३४२३४३३४४३४५३४६३४७३४८३४९३५०३५१३५२३५३३५४३५५३५६३५७३५८३५९३६०३६१३६२३६३३६४३६५३६६३६७३६८३६९३७०३७१३७२३७३३७४३७५३७६३७७३७८३७९३८०३८१३८२३८३३८४३८५३८६३८७३८८३८९३९०३९१३९२३९३३९४३९५३९६३९७३९८३९९४००४०१४०२४०३४०४४०५४०६४०७४०८४०९४१०४११४१२४१३४१४४१५४१६४१७४१८४१९४२०४२१४२२४२३४२४४२५४२६४२७४२८४२९४३०४३१४३२४३३४३४४३५४३६४३७४३८४३९४४०४४१४४२४४३४४४४४५४४६४४७४४८४४९४५०४५१४५२४५३४५४४५५४५६४५७४५८४५९४६०४६१४६२४६३४६४४६५४६६४६७४६८४६९४७०४७१४७२४७३४७४४७५४७६४७७४७८४७९४८०४८१४८२४८३४८४४८५४८६४८७४८८४८९४९०४९१४९२४९३४९४४९५४९६४९७४९८४९९५००५०१५०२५०३५०४५०५५०६५०७५०८५०९५१०५११५१२५१३५१४५१५५१६५१७५१८५१९५२०५२१५२२५२३५२४५२५५२६५२७५२८५२९५३०५३१५३२५३३५३४५३५५३६५३७५३८५३९५४०५४१५४२५४३५४४५४५५४६५४७५४८५४९५५०५५१५५२५५३५५४५५५५५६५५७५५८५५९५६०५६१५६२५६३५६४५६५५६६५६७५६८५६९५७०५७१५७२५७३५७४५७५५७६५७७५७८५७९५८०५८१५८२५८३५८४५८५५८६५८७५८८५८९५९०५९१५९२५९३५९४५९५५९६५९७५९८५९९६००६०१६०२६०३६०४६०५६०६६०७६०८६०९६१०६११६१२६१३६१४६१५६१६६१७६१८६१९६२०६२१६२२६२३६२४६२५६२६६२७६२८६२९६३०६३१६३२६३३६३४६३५६३६६३७६३८६३९६४०६४१६४२६४३६४४६४५६४६६४७६४८६४९६५०६५१६५२६५३६५४६५५६५६६५७६५८६५९६६०६६१६६२६६३६६४६६५६६६६६७६६८६६९६७०६७१६७२६७३६७४६७५६७६६७७६७८६७९६८०६८१६८२६८३६८४६८५६८६६८७६८८६८९६९०६९१६९२६९३६९४६९५६९६६९७६९८६९९७००७०१७०२७०३७०४७०५७०६७०७७०८७०९७१०७११७१२७१३७१४७१५७१६७१७७१८७१९७२०७२१

पञ्चपदाष्टादशोपनिषद् यजुर्वेदस्य ऋग्वेदस्य सामवेदस्य अथर्ववेदस्य

अथर्वकुराङ्गः। अथर्वकुराङ्गः अथर्वकुराङ्गः अथर्वकुराङ्गः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

৯১

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्ववैद्य ॥ ४ ॥
सर्वभयहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ६ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ७ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ८ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

Handwritten text in a rectangular box, likely a list or account. The text is extremely faded and illegible, appearing to be in an old script. The box is defined by a thin rectangular border.

10 | ॥ बुद्धमार्गः प्रदीपः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

بسم الله الرحمن الرحيم
الحمد لله الذي هدانا لهذا
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله
والحمد لله رب العالمين
الحمد لله الذي هدانا لهذا
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله
والحمد لله رب العالمين
الحمد لله الذي هدانا لهذا
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله
والحمد لله رب العالمين

6

ॐ ॥ १ ॥ ध्यायन्तं यो दत्तं सुखं कतिपयं त्रैलोक्यं

ॐ ॥ १ ॥ ध्यायन्तं यो दत्तं सुखं कतिपयं त्रैलोक्यं

ॐ

ॐ

[illegible]

१७५ वी १७५३ वी १७५४ वी १७५५ वी १७५६ वी १७५७ वी १७५८ वी १७५९ वी १७६० वी
१७६१ वी १७६२ वी १७६३ वी १७६४ वी १७६५ वी १७६६ वी १७६७ वी १७६८ वी १७६९ वी १७७० वी
१७७१ वी १७७२ वी १७७३ वी १७७४ वी १७७५ वी १७७६ वी १७७७ वी १७७८ वी १७७९ वी १७८० वी
१७८१ वी १७८२ वी १७८३ वी १७८४ वी १७८५ वी १७८६ वी १७८७ वी १७८८ वी १७८९ वी १७९० वी
१७९१ वी १७९२ वी १७९३ वी १७९४ वी १७९५ वी १७९६ वी १७९७ वी १७९८ वी १७९९ वी १८०० वी

ॐ ॥ १ ॥ यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं
 दृष्ट्वा चैव त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं
 यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं
 यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं
 यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं यत्तन्मार्गं त्रैलोक्यं

[illegible]

१५५ बुद्ध भवति शिवम धर्मपदमा शिव बुद्धे भवति पदे शिवस्य परमेश्वर पदमा ॥
शिव पदमा कुम्भकर्ममा धुमपदमा शिवकुम्भमा शिवगमा महेश्वर कुम्भकर्ममा
शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा महेश्वरमा कुम्भकर्ममा शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा
शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा महेश्वरमा कुम्भकर्ममा शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा
शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा महेश्वरमा कुम्भकर्ममा शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा
शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा महेश्वरमा कुम्भकर्ममा शिवमहेश्वर कुम्भकर्ममा

ཡམ་བཞེད་དོ། ། ལུས་དང་ ཡིད་གསུམ་ བཅིངས་པ་ལས་ གྲུལ་ བ་
ཅིང་པ་ཆེས་ཉ་པའི་ ལྷ་ལྷུངས་ རྟོགས་ སྟེ། ༡ དགོའོ། ༡

ॐ स्वस्ति ॥

3611

[illegible]

ཕྱི་རྒྱལ་

༄༅། །སྤྱི་མི་འཆི་དང་ནད་ལ་མ་ས་མུག་ལོག་སྤྱི། །ཁྱེ་ར་དཔལ་ལྷན་ལོ་དང་།
ཆེ་བའི་འཕྲིན་ལ་ས་མཛོད་། །ཆོ་དང་ཐོ་དང་མ་ས་དཔལ་ལྷན་ལོ་དང་། །
ལོ་ལྷན་ལོ་དང་སྤྱི་དཔལ་ལྷན་ལོ་དང་། །ལོ་ལྷན་ལོ་དང་སྤྱི་དཔལ་ལྷན་ལོ་དང་།
ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་། །ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་། །ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་།
ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་། །ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་།
ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་། །ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་།
ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་། །ལོ་དང་སྤྱི་མཛོད་ལྷན་ལོ་དང་།

དཔར་ཏུ་འཏུ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད་། །པས་མ་ཕྱིར་ལོག་པར་བཟུ་བའི་དགྲ་མགོག་ས་
ཀྱིས་ཀ །འཕུལ་པས་བུར་བའི་ཕྱི་ནང་ལམ་བཅོད་སོགས་། །སྒྲུ་འགྲོ་རྒྱུ་ལོང་མཛོད་།
མཛོད་མཆོད་མཆོད་ས་པ། །དག་པོ་འཛོད་པས་སྒྲུ་ལ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད་།
མཛོད་ལ་སྒྲུ་ལ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད་། །ཕུ་མཛོད་ཀྱི་དཔལ་ལ་བའི་འཕྲིན་ལས་
ལ་ཀ །འཕྲིན་ལས་མཛོད་ལ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད་། །ཕུ་མཛོད་ཀྱི་དཔལ་ལ་བའི་འཕྲིན་ལས་
ཕྱིར་ཏུ་འཕུ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད་། །ཕུ་མཛོད་ཀྱི་དཔལ་ལ་བའི་འཕྲིན་ལས་

ॐ । । ईश्वरः सर्वभूतानां । । विविदेव सः । । विविदेव सः । । विविदेव सः । ।
 मम रक्षणं सर्वदं । । इति । । इति । । इति । । इति । । इति । ।
 उभयपक्षे नैव । । इति । । इति । । इति । । इति । । इति । ।
 इति । । इति । । इति । । इति । । इति । ।

ॐ ।

ॐ ।

12. ...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ན་ཏུ་ཡ་མེད་པ་དང་ཁྱེད་ཀྱི་མཚན་ལ། ཁམས་ཀྱི་སྤྱོད་པ་ཀྱི་དཔུང་ལ་ཐུག་པ་ལ།

པ་དག །དེ་ལྟར་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ན་མས་མ་ལུས་པ། །ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ཐ་

དག་གིས་གཤམ་མེད། །དེ་དག་པ་ལྟ་ས་པ་མི་བཟང་ལྟ་མེད་ཀྱི་མེད་པ་། །

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

རལ་པ་རྫོང་ཅེས་། །པདྨ་པར་གཤེགས་པ་ཐུམ་མཁའ་ཅན་པད་གཤེགས་པ་རྫོང་། མེ་

ཏྲིག་དམ་པ་ཕྱེད་པ་དམ་པ་དང་། ལེ་ལ་རྩ་ཆ་རྩམས་དང་ཕྱག་པག་དུག་ས་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।
प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् । अथैव प्रमाणसुखम् ।

८५

८५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一

[illegible]

ཚེ་མེད་པ་ལ་གནས་ནས་གྲུང་། ། དེ་དག་ལྟུང་པ་ཐམས་ཅད་ཚེ་ལ་པར་ཀྱི། །
 མཁའ་མཐུན་ཐུག་ཀྱང་པ་ཇི་ཅེས་པ། ། སེམས་ཅན་མཁའ་ལུ་སེམས་ཐུན་པ་དེ་ཅི་ཅེས་
 ཇི་ཅི་མཁའ་སེམས་དེ་ཅི་ཅེས་མཐུན་ཀྱང་པ། ། ཐུག་ཀྱི་མཁའ་མཐུན་པ་དེ་ཅི་ཅེས་
 གཤམ་པ་ལྟུང་པ་ཐུན་ཀྱང་པ་མཐུན་པ་ལ། ། རིམ་ཅན་ཐུག་ཀྱི་ལྟུང་པ་ཐུན་པ་
 ལ་ལྟུང་པ། ། རྒྱ་དང་མི་ལོ་པ་དེ་ཅི་ཅེས་ཚེ་གནས་ཀྱང་། ། བེད་ཀྱི་ལྟུང་པ་ཐུན་པ་པར་
 ལྟུང་པ་པར། ། གཤམ་ཀྱི་སེམས་ཐུན་པ་ལྟུང་པ་ཐུན་པ། ། ཐུན་པ་ཐུན་པ་ཚེ་གཤམ་
 ལྟུང་པ་ཐུན་པ། ། ལྟུང་པ་ཐུན་པ་ཚེ་གཤམ་ལྟུང་པ་ཐུན་པ། ། ཐུན་པ་ཐུན་པ་ཚེ་གཤམ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

འོ་ཁུ་ཐོབ་ཐང་སྟོང་རྒྱལ་པོའི་གསུང་མུ་གེའི་འདི་གསལ་པ་ཞི་བའི་གསོལ་འདེབས་...པ་ལྷགས་སོ 11

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

॥

२२। त्रुदं हरे महेद महेद महेद महेद महेद महेद महेद महेद
त्रुदं त्रुदं महेद महेद महेद महेद महेद महेद महेद महेद

॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७।

॥ रं सुक सुम कें मा न म रं गु रं ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

७७।

७७।

[illegible]

ਬਸੰਤ ਅੰਬ ਗੰਗਾ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ ਪਦਮ ਪੁਸ਼ਪ
 ਸੇਵਾ ਸੰਗੇਤ ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ
 ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ ਪਦਮ ਪੁਸ਼ਪ
 ਸੇਵਾ ਸੰਗੇਤ ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ
 ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ ਪਦਮ ਪੁਸ਼ਪ
 ਸੇਵਾ ਸੰਗੇਤ ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ
 ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ ਪਦਮ ਪੁਸ਼ਪ
 ਸੇਵਾ ਸੰਗੇਤ ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ
 ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ ਪਦਮ ਪੁਸ਼ਪ
 ਸੇਵਾ ਸੰਗੇਤ ਕੇਸਕੇਸ ਰੰਗ ਦਰਸਨ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਘਰੰ

429

227

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

五

21

२७। मङ्गलमन्त्राय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ममस्य मरेकण द्वारे परके स्यात्परमेकं नैवेदयेत्तु मेव त्रिभुजं रसगन्धमाद्यम्

[illegible][illegible][illegible]

11





३३। । मुरमदये मेनहे मये मये सुमा सुमा मये मये मये मये मये मये मये मये मये मये ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दुर्गाय नमः ॥ देव्यै नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देव्यै नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देव्यै नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देव्यै नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देव्यै नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

विष्णुस्य चण्डिकास्यैकं नमः प्रदत्तं मन्त्रं दुःखहर्त्रं चण्डिकास्यैकं
नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥
सुहा ॥ चण्डिकास्यैकं नमः ॥ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥
विष्णुस्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥
नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥
नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥
नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥ ॐ नमः चण्डिकास्यैकं नमः ॥

[illegible]

ॐ॥ पुष्यपक्षे मङ्गलं स्यादुदये । मङ्गलस्य च उदयार्कं ह्रीं वदन्नातिद

हं मङ्गलं स्यात्पक्षे च मङ्गलं । मङ्गलस्य च उदयार्कं ह्रीं वदन्नातिद

ॐ॥ मङ्गलं स्यात्पक्षे च मङ्गलं । मङ्गलस्य च उदयार्कं ह्रीं वदन्नातिद

ॐ॥ मङ्गलं स्यात्पक्षे च मङ्गलं । मङ्गलस्य च उदयार्कं ह्रीं वदन्नातिद

ॐ॥ मङ्गलं स्यात्पक्षे च मङ्गलं । मङ्गलस्य च उदयार्कं ह्रीं वदन्नातिद

ॐ॥ मङ्गलं स्यात्पक्षे च मङ्गलं । मङ्गलस्य च उदयार्कं ह्रीं वदन्नातिद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ཐཱ་ཨ་མ་མུ་ཤ་པ་ཅད། རྒྱུ་མ་དག་དཔལ་མེད་ཀྱི་རྩིས་ཀྱི་ཅད་ཅེས་སྐུ་མེད་པ་

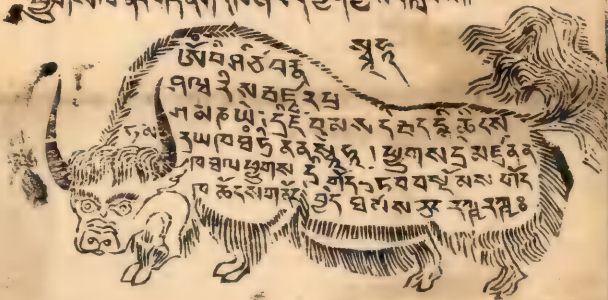
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वसुधैव कुटुम्बकम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

52

22. । । མེད་ཅིག་ཐམ་ནད་རལ་བུ་བྱ་བུ་རྒྱུ་ཕྱི་ཕྱི་
 ཡུལ་སྐུ་མ་གཏོག་པོ་དཔེ་དཔེ་ཕྱི་ཕྱི་སྐུ་ཕྱི་ཕྱི་





རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཡུལ་
མེ་མེད་ལྷན་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་
ལྷན་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་
མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་མེད་པོ་

